हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 अप्रैल 2025

11 ऑल हरियाणा प्राइवेट स्कूल संगठन ने गैर मान्यता ...

12 अठगामा खाप ने डीजे बजाने और शराब ठेके खोलने ...

खबर संक्षेप

तेज गति से वाहन चलाकर टक्कर मारने पर केस दर्ज

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा पुलिस ने तेज गति से वाहन चलाकर टक्कर मारने पर मामला दर्ज किया है। पुलिस में दिए ब्यान में तालू निवासी सोनू ने बताया कि वह बीते शुक्रवार को मोटरसाइकिल से तोशाम से तालू आ रहा था और उसके पीछे बलजीत बैठा था। बवानी खेड़ा से पुर मोड पर पहुंचने पर एक अज्ञात वाहन चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाते हुए उसके वाहन में टक्कर मारी और वह नीचे गिर गया। बलजीत को कोई चोट नहीं आई। बलजीत व राहगीरों की मदद से मुझे अस्पताल लाया गया जहां हालत गंभीर होने के चलते उसे भिवानी रेफर कर दिया।

वशिष्ठ की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आज

भिवानी। रणजी खिलाड़ी अमित वशिष्ठ की पुण्यतिथि पर अमित वशिष्ठ फाउंडेशन द्वारा चौथा 28 अप्रैल को कैंसर मरीजों के लिए चौथे रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। अमित वशिष्ठ फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने बताया कि यह रक्तदान शिविर गांव खरक कलां के दादी जाबदे मंदिर में सुबह 9 से 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में एम्स बाढ़सा की टीम कैंसर मरीजों के लिए रक्त एकत्रित करेगी। उन्होंने कहा कि कि देश में कई लोग ब्लड कैंसर से पीड़ित हैं, जो अपने उनके टिशू टाइप से मैच होने वाले दाता को ढूंढ रहे है। ऐसे में सही रक्तदाता ब्लड कैंसर से पीड़ित लोगों की जान भी बचा सकते है।

41 दिवसीय 21 धुणी तपस्या आज से

भिवानी। देश में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना के साथ सिद्ध श्रीश्री 1008 बाबा शमशेर गिरी महाराज की कृपा से बाड़ी मोहल्ला स्थित सिद्धपीठ बाबा हरिगिरी मठ में बालयोगी तपस्वी श्रीमहंत बाबा बंशीगिरी महाराज द्वारा 41 दिवसीय 21 धूणों की तपस्या 28 अप्रैल से शुरू की जाएगी। मठ के सेवक राजेश बडाला ने बताया कि श्रीमहंत बंशीगिरी महाराज द्वारा 28 अप्रैल से 7 जून तक 21 धूणों की तपस्या की जाएगी। उन्होंने बताया कि तपस्या के समापन पर 7 जून को दोपहर सवा 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सब जूनियर वूशु खेल की ट्रायल 29 को

भिवानी। भिवानी जिला स्तरीय सब जूनियर वूशु खेल की ट्रायल 29 अप्रैल मंगलवार को प्रातः 10 बजे गांव हालुवास की धानक चौपाल स्थित वूशु खेल नर्सरी में होगी। ट्रायल में जो खिलाड़ी प्रथम स्थान पर रहेगा, उसका चयन हरियाणा राज्य स्तरीय सब जूनियर वूशु खेल प्रतियोगिता के लिए होगा। भिवानी जिला वूशु इंचार्ज बीरू सिंह ने बताया कि राज्य स्तरीय सब जूनियर वुशु खेल स्पर्धा 9 से 11 मई तक बहादुरगढ़ झज्जर में आयोजित की जाएगी। सभी खिलाड़ी दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी एवं ओरिजनल प्रमाण पत्र लाएं।

बिना अनुमति के खेतों में गाड़े खम्भे किसानों ने नारेबाजी कर रुकवाया काम

सांगवान पॉवर हाऊस से बलियाली तक लाई जा रही है थी बिजली की बड़ी लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

रविवार को गांव बलियाली में बिना किसी से सहमति लिए ही उनके खेतों में बिजली के बड़े पोल लगाने आरंभ कर दिए। जब किसानों को इस मामले का पता चला तो किसानों ने मौके पर पहुंचकर खंभे लगाने के कार्य को रूकवा दिया। इस दौरान पुलिस भी पहुंची, करीब एक घंटे तक जबरदस्त हंगामा रहा। जब कम्पनी के कर्मचारी पोल को वापस लेकर गए तो किसान शांत हुए। किसानों ने चेतावनी दी कि बिना उनकी सहमति के खेतों में पोल नहीं लगा सकते है। अगर दोबारा इसी तरह की हरकत की तो वे आंदोलन का बिगुल बजा देंगे।

अल सुबह गांव सांगवान के पॉवर हाऊस से तोशाम रोड स्थित एक सोलर कम्पनी के कर्मचारियों ने बिजली की सप्लाई चालू करवाए जाने के लिए बड़े पोल लगाने आरंभ कर दिया। इस बारे में किसानों को जब जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंच गए। किसानों ने कम्पनी के अधिकारियों से पूछा कि किसकी सहमति से पोल लगाए जा रहे है। इस पर वे कोई जवाब नहीं दे पाए। बाद में किसानों ने उनका पोल लगाने के कार्य के बंद करवा दिया। कम्पनी के कर्मचारियों ने इस बारे में बवानीखेड़ा थाने में सूचना दी। सूचना के बाद बवानीखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले को शांत करने का प्रयास किया,लेकिन किसानों ने बताया कि उनकी बिना किसी सहमति के उनके खेतों में बिजली के पोल लगाए जा रहे है। जिससे उनके खेतों में मोटा नुकसान हो रहा है। किसानों ने बताया कि कायदे से बड़ी लाइन के लिए पोल लगाने से पहले किसानों से सहमति लेनी थी। साथ में जिस जगह पर पोल लगाए जा रहे है। गौतम सोलर कम्पनी तोशाम बवानी खेड़ा रोड़ पर 60 एकड़ जमीन पर सोलर पलेटस का प्लांट लगा रहे हैं , उसके लिए वे सागवान 33 के वी स्टेशन से बिजली लेकर खम्बों के माध्यम से बलियाली के किसानों के खेतों के माध्यम से खम्बे ले जाना चाहते हैं , जबकि किसानों का यह कहना है कि कम्पनी को खेतों से खम्बे ले जाने का कोई अधिकार नहीं है , वे सरकारी रोड व रास्तों से ऐसा कर सकते हैं। इलाके व आसपास के किसान कम्पनी की इस अवैध कार्यवाही के विरुद्ध लामबंध हो गए और खम्बे शीघ्र हटाने के लिए अधिकारियों को बोल दिया है , यदि कंपनी खंभों को नहीं हटाएंगे तो किसान अपने खेतों से उखाड़ने व हटाने पर मजबूर होंगे

फिलहाल पोल लगाने का कार्य पूरी तरह से बंद

गांव बलियाली के समीप एक सोलर कम्पनी ने सोलर प्लेट बनाने का कार्य शुरू किया हुआ है। उसके लिए बिजली की जरूरत होती है। इस बिजली की सप्लाई के लिए कम्पनी ने गांव सांगवान के पॉवर हाऊस से बिजली की लाइन लाने की जुगत निकाली। उसी के तहत आज बिजली की लाइन लाने के लिए पोल लगाने का कार्य शुरू किया था। अल सुबह ही कम्पनी ने अपना कार्य शुरू करवा दिया था। कुछ पोल लगा भी दिए,लेकिन गांव बलियाली के समीप पहुंचे तो अनेक किसान मौके पर पहुंच गए और पोल लगाए जाने के कार्य को बंद करवा दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल , उप प्रधान कामरेड ओम प्रकाश , बलियाली के सरपंच सचिन सरदाना , सभा के बवानी खेड़ा प्रधान रामोतार बलियाली , ब्लाक सचिव वेद प्रकाश , भिवानी ब्लाक सचिव प्रताप सिंह सिंहमार , किसान नेता राजेश कुंगड़ , चरणदास भाटिया , अंकित मलिक , सुरेन्द्र जाखड़ , अनुप शर्मा , सुरेश बलियाली , विजय असीजा , विक्रम हांसी , रामफल शर्मा , सुरेश अग्रवाल , कैलाश शर्मा सहित दर्जनों किसान शामिल थे ।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में बड़ा गौरवा स्थित तालाब में शव मिलने पर खड़े लोग व जांच करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

बड़ा गौरवा तालाब में व्यक्ति का शव मिलने से फैली सनसनी

- सूचना पाकर 112 पुलिस व थाना प्रभारी शिव कुमार अपनी टीम संग पहुंचे
- लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला, वार्ड 10 निवासी चंद्रेश के रुप में हुई पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के बड़ा गौरवा स्थित तालाब में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की सूचना लोगों ने 112 व स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर 112 पुलिस व थाना प्रभारी शिव कुमार अपनी टीम संग पहुंचे और ग्रामीणों से पूछकर शव की शिनाख्त की। शिनाख्त होने पश्चात शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित किया। थाना प्रभारी शिव कुमार सैनी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि बड़े तालाब में एक शव तैर रहा है जिसकी सूचना मिलते ही वह मौके पर अपनी टीम के साथ पहुंचे टीम में उप निरीक्षक संजय कुमार, देवेंद्र कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

उन्होंने बताया कि लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला तथा जिसकी पहचान की गई तो वह वार्ड नंबर 10 निवासी चंद्रेश पाया गया। उनके परिजनों को सूचना दी। वहीं दूसरी और उन्होंने बताया कि मृतक की पत्नी दो-तीन साल पहले ही अपने मायके खानपुर जिला सोनीपत अपने पिता के घर रह रही है वहीं अपने साथ दोनों बेटियों को शिक्षा दिला रही है। मृतक की पत्नी को सूचना दे दी गई है। मृतक के पिता ने बताया कि गत शाम को उसका बेटा घर से अपनी से तथा कटिंग करवाने की कहकर निकला जो वापिस लौटकर नहीं आया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के शव पर कोई चोट आदि के निशान नहीं मिले हैं लेकिन फिर भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इसकी मौत के कारण का पता चल सकेगा।

शिविर में 51 लोगों ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

- प्रसिद्ध सामाजिक एवं धार्मिक संस्था अग्रवाल सेवा संघ ने करवाया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

शहर की प्रसिद्ध सामाजिक एवं धार्मिक संस्था अग्रवाल सेवा संघ 45 वर्षों से समाज में जरूरतमंद लोगों की मदद कर रही है।

इसी कड़ी में रविवार अग्रवाल धर्मार्थ चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए सचिव अनुराग गुप्ता ने बताया कि प्रधान राजुकमार गोयल की अध्यक्षता में आयोजित रक्तदान शिविर में गणेश गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। रक्तदान शिविर में 51 लोगों ने रक्तदान किया, जिसमें छह महिलाओं ने भी रक्तदान किया। मुख्यतिथि एवं संस्था पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश कुमार, गणेश कुमार द्वारा अस्पताल में एक एयर करटेन भी भेंट किया गया।

कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया कि रक्तदान करने से शरीर में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आती, इसलिए समय-समय पर हमें रक्तदान करते रहना चाहिए।

बीडब्ल्यूएन रक्तदाता को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

वर्षगांठ पर दंपति ने किया रक्तदान

- अजीत ने 30वीं बार और उनकी पत्नी प्रियंका ने 7वीं बार रक्तदान कर पुण्य कमाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी निवासी अजीत सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका ने अपने वैवाहिक वर्षगांठ पर प्रेरणादायक कार्य करते हुए रक्तदान किया। रक्तवीर परिवार संयोजक राजेश सोनी ने बताया कि अजीत सिंह रक्तदान के क्षेत्र में एक सक्रिय कार्यकर्ता हैं, जो निरंतर समाज सेवा में लगे हुए हैं। इस विशेष अवसर पर अजीत ने 30वीं बार और उनकी पत्नी प्रियंका ने 7वीं बार रक्तदान कर जरूरतमंदों के प्रति अपनी सेवा भावना का परिचय दिया। राजेश सोनी ने कहा कि जन्मदिन और विवाह वर्षगांठ जैसे विशेष अवसरों पर रक्तदान करना एक नेक पहल है, जिससे किसी जरूरतमंद को जीवनदान मिल सकता है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने खास दिनों को और भी यादगार बनाएं। रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजेश सोनी ने बताया कि रक्तदान न केवल किसी मरीज की जान बचाता है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। नियमित रक्तदान से रक्त परिसंचरण सुधरता है ।

भिवानी। रक्तदान करते अजीत और प्रियंका। फोटो : हरिभूमि

बवानी खेड़ा में बंदरों का आतंक

- कस्बावासी बोले शहर में रहना हो गया है मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में बंदरों का आतंक छाया हुआ है। आए दिन बंदर किसी न किसी को निशाना बनाते हुए दिखाई देते हैं। रविवार को भी बाबा कमाल मंदिर के पास नरेश के पुत्र गुरमीत को बंदरों ने अपना निशाना बनाते हुए शरीर के अनेक स्थानों पर काटा जिससे राहगीरों ने बचाया और बच्चा खून से लथपथ हो गया। बच्चे को आसपास के लोगों द्वारा सामान्य अस्पताल ले जाया गया जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया व बच्चे को अनेक टांके आए। लोगों में मंजीत, रोढ़ी, रोहित, सुमित, महाबीर, ईशु आदि ने बताया कि काफी समय पहले प्रशासन द्वारा इन्हें पकड़वाया था लेकिन इनकी संख्या जस की तस दिखाई दे रही है। घरों से लोगों का निकलना भी मुश्किल हो गया है।

लोगों ने प्रशासन से इनके समाधान की बात कही। वहीं नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि इस पर रणनीति बनाकर बंदरों को शहर से बाहर भेजने का कार्य किया जाएगा।

नेकीराम पार्क में सरेआम सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- सीआईए स्टाफ-2 ने आरोपित को नेकीराम पार्क से दबोचा

सीआईए स्टाफ-2 भिवानी ने नेकीराम पार्क में सरेआम सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के मुख्य सिपाही नवीन कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी वैश्य कॉलेज भिवानी पर मौजूद थे जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति नेकीराम पार्क भिवानी में सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहा है पुलिस टीम के द्वारा सूचना की महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके एक व्यक्ति को सरेआम सट्टा खाईवाली करते हुए नेकीराम पार्क भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अरुण पुत्र राजकुमार निवासी सरोगियान की ढाणी भिवानी, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

व्यक्ति को नशीले पदार्थ के साथ किया गिरफ्तार

- पुलिस टीम ने आरोपी से 11.5 मिलीग्राम हैरोइन बरामद की
- निनान में ढाबे के पास कट्टे में अवैध शराब रखकर बेच रहे व्यक्ति को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पुलिस की सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने एक आरोपी को मादक पदार्थ हैरोइन के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल को सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के उप निरीक्षक राजेश कुमार अपनी टीम के साथ रात्रि चेकिंग व गश्त पड़ताल ड्यूटी बस स्टैंड गांव खेड़ा मौजूद थे जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई के गांव खेड़ा में एक व्यक्ति मादक पदार्थ हैरोइन खरीद कर लाया है वहीं गांव में बने उसके मकान के बाहर चारपाई पर लेटा हुआ है पुलिस टीम के द्वारा सूचना की महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके एक व्यक्ति को मादक पदार्थ हैरोइन के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रुबल पुत्र राजेश निवासी खेड़ा थाना सिवानी जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से 11.5 मिलीग्राम हैरोइन को बरामद किया गया है।

आरोपी से 11 बोतल, 15 अध्धे, 48 पव्वे अवैध शराब

भिवानी। थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना औद्योगिक क्षेत्र भिवानी के सहायक उप निरीक्षक इकबाल अपने टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी बस अड्डा गांव निनान मौजूद थे जो पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति निनान में ढाबे के पास एक प्लास्टिक कट्टे में अवैध शराब रखकर बेच रहा है पुलिस टीम के द्वारा सूचना की महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके एक व्यक्ति को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान संजय कुमार पुत्र कृष्ण निवासी निगाना, जिला रोहतक के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से 11 बोतल, 15 अध्धे, 48 पव्वे अवैध शराब देशी के बरामद किए गए है।

कलस्टर हेड बताएंगे कि किस इलाके में कितने स्कूल बिना मान्यता चल रहे

गली-कूचों में टीचिंग शॉप चलती मिली तो नपेंगे कलस्टर हेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अब शिक्षा विभाग ने मान्यता प्राप्त व बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों में पूरी तरह से शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। शिक्षा विभाग ने बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों की जानकारी लाने की जिम्मेदारी कैलेस्टर हैड को सौंपी है। उक्त हैड ही इनके बारे में विस्तृत से जानकारी देंगे।

साथ ही अगर किसी कैलेस्टर हैड में बिना मान्यता के स्कूल संचालित होता मिला तो ऐसे में कैलेस्टर हैड के खिलाफ कार्रवाई होना तय है। टीचिंग शॉप चलती मिली तो कैलेस्टर हैड के खिलाफ कार्रवाई होगी। इस बारे में शिक्षा विभाग ने सभी कैलेस्टर हैड को पत्र भेजकर सूचित कर दिया है। चूंकि अभी तक शिक्षा विभाग ने बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी बीईओ के पास थी। अब नई व्यवस्था के तहत कैलेस्टर हैड बिना मान्यता प्राप्त वाले स्कूल व अकेडमियों की जानकारी लेनी होगी।

बच्चों को निकटम स्कूल में कराए दाखिल

किसी भी प्ले स्कूल में पांच वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को नामांकित करना एवं कक्षा एक से पांच तक की पढाई कराना अवैध है,इसको तत्काल बंद करवाया जाए। अगर किसी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय में कोई बच्चा पढता है तो उस बच्चे का नाम तत्काल नजदीकी सरकारी स्कूल में दाखिला दिलाया जाए। ताकि उन बच्चों का सरकारी स्कूलों में पंजीकरण हो सके।

प्रवेश उत्सव की समीक्षा के दौरान खुलासा

शिक्षा विभाग ने भेजे निर्देशों में कहा है कि 25 अप्रैल को वीडियो कांफ्रेस के जरिए प्रवेश उत्सव की समीक्षा की गई थी। इस दौरान कई जगहों से जानकारी मिला कि अनेक स्कूल बिना मान्यता के चल रहे है। कोई व्यक्ति या स्कूल शिक्षा विभाग से मान्यता लिए बिना संचालित नहीं कर सकता। इसमें शिक्षा अधिकार अधिनियम की धारा 2009 के अंतर्गत 18 का उल्लघंन है। निर्देशों में कहा गया है कि कुछ शहरी क्षेत्रों में प्ले स्कूल के नाम पर अनेक संसथान संचालित हो रहे है,जिनमें पहली से पांचवी कक्षा के विद्यार्थी नामांकित है। इनके अलावा कुछ गैर सरकारी संगठन या फाउंडेशन रेमिडियल क्लासेज के नाम पर नियमित विद्यालयी समय में पूर्ण कालिक विद्यालय संचालित कर रहे है वे पूरी तरह से अवैध है। केवल मान्यता प्राप्त ही विद्यालयों में नियमित स्कूली शिक्षा देने की अनुमति है।

जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।

- मुंशी प्रेमचंद

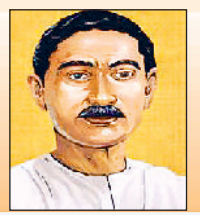

कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी-''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''

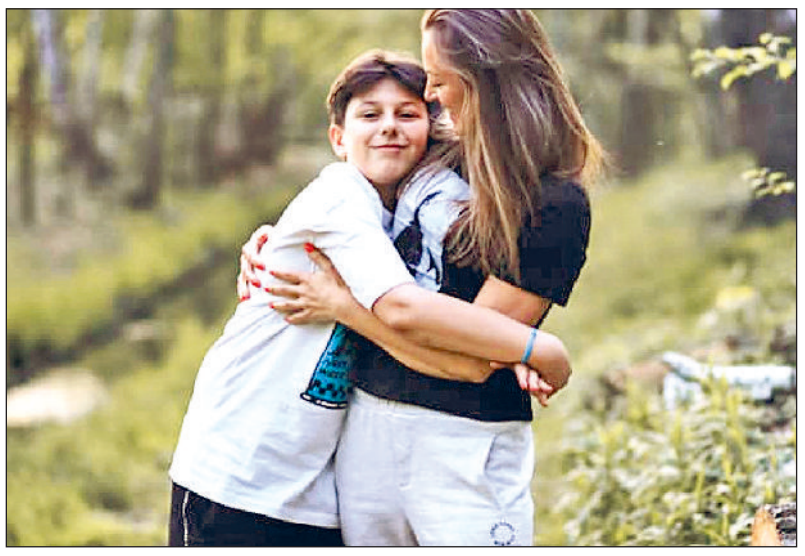

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती- 'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।' और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता- सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?''जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।''मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा- लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा- ''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

कविता

कृष्ण लाल' गिरधर '

वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन

पं . कमलकांत भारद्वाज

धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
ज़मीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूँ ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।

साक्षात्कार

ओ.पी पाल

साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 ग़ज़लें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़ज़ल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज से' की भूमिका वरिष्ठ शायर ज़मीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ . शिवकांत शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
जन्मतिथि : 23 जून 1958
जन्म स्थान : गांव पेटवाड़ (हिसार)
शिक्षा : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
संप्रति : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है
लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां
मूल्य : 17 5 रुपये
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अल्पना सुहासिनी

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

विद्यालयों के बंद होने से बेरोजगारी बढ़ने के साथ घटेगी प्रदेश की साक्षरता दर : घनश्याम

ऑल हरियाणा प्राइवेट स्कूल संगठन ने गैर मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों को बंद करने के फैसले का जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

फैंसी चौक स्थित एक निजी रेस्तरां में ऑल हरियाणा प्राइवेट स्कूल संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन के वरिष्ठ उपप्रधान घनश्याम शर्मा ने की। बैठक के दौरान सरकार द्वारा गैर मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों को बंद करने के फैसले का विरोध जताया गया तथा सरकार के इस कदम को बेरोजगारी को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। बैठक में ना केवल भिवानी जिला, बल्कि रोहतक, फतेहाबाद सहित अन्य जिलों से शिक्षण संस्थान के संचालक भी मौजूद रहे। मीटिंग के में फैसला लिया गया कि प्रदेश भर में विधायकों के माध्यम से सरकार के नाम मांगपत्र सौंपा जाएगा।

भिवानी। आयोजित बैठक में उपस्थित प्राइवेट स्कूल संगठन के सदस्य।

समावेशी विकास के लिए नीतियां बनाएं

घनश्याम शर्मा ने मांग करते हुए सरकार को चाहिए कि गैर मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों को बंद करने की बजाए उन्हे समुचित समय प्रदान किया जाए, ताकि वे सभी आवश्यक शर्तें पूरी कर सकें। छोटे विद्यालयों के लिए अलग-अलग मानकों पर विचार किया जाए जिससे उनके संचालन में सहुलियत रहे। शिक्षा का व्यवसायीकरण रोकने के लिए बड़े निजी विद्यालय संगठन द्वारा बनाए जा रहे दबाव व अव्यवस्थित गतिविधियों का संज्ञान लिया जाए। शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसरों और समावेशी विकास के लिए नीतियां बनाई जाए। ताकि मध्यम व आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए सकारात्मक कदम बढ़ाए जा सकें। इस अवसर पर फतेहाबाद से सन्नी, सोनू, अंकित, प्रवीण वर्मा, रोहित, अरविंद, दीपक, एस कैप्टन, मोनिका, अनिता, पिंकी, उदय, मनीष, अभिषेक, जिले सिंह आदि मौजूद रहे।

बच्चें शिक्षा से दूर होंगे

बैठक को संबोधित करते हुए ऑल हरियाणा प्राईवेट स्कूल संगठन के वरिष्ठ उपप्रधान घनश्याम शर्मा ने कहा कि प्रदेश भर में कई निजी संस्थान ऐसे है, जो कि सीमित संस्थानों में भी उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर प्रदेश की साक्षरता दर बढ़ाने व बेरोजगारी को घटाने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे है। उन्होंने बताया कि इन शिक्षण संस्थानों में प्रदेश के मध्यम व आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चें शिक्षा ग्रहण कर अपना भविष्य संवारने की दिशा में अग्रसर है। लेकिन इसके बावजूद भी सरकार ने गैर मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानें को बंद करने का फरमान सुनाया है, जिससे एक तरफ जहां बच्चें शिक्षा से दूर होंगे, वही दूसरी तरफ प्रदेश में बेरोजगारी भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार गैर मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों को बंद करती है तो हजारों शिक्षकों का रोजगार छिन जाएगा तथा लाखों बच्चें गुणवत्तापरक शिक्षा से महरूम हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ को साधने के लिए इन विद्यालयों को निशाना बना रहे है, सरकार को इस षडयंत्र में नहीं फंसना चाहिए।

सुनहरी शाम सांवरे के नाम से भजनों की बही रसधार

बहल। श्री खाटू श्याम मंडल बहल द्वारा आयोजित श्री श्याम बाबा के चतुर्थ संकीर्तन सुनहरी शाम सांवरे के नाम में भजनों की रसधार रही। कलाकारों के अलावा बाहर से आए गायक कलाकारों ने भजनों का ऐसा समा बांधा की देर रात तक भक्तजन बाबा की महिमा पर नाचते और झूमते रहे। शुक्रवार रात को करीब नौ बजे श्याम बाबा की जोत प्रज्वलित करने के बाद भजनों की शुरूआत हुई। हांसी से आए सन्नी चोपड़ा ने सरस्वती व गणेश वंदना के बाद बालाजी के भजन सुनाकर भक्तिभाव का माहौल बना दिया। मनोज महमियां ने नंदी सवारी भोला शंकर पधारो, दर्श दिखा दो बजरंग बली जैसे भजनों की प्रस्तुति दी।

खबर संक्षेप

दिव्यांगों के लिए कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित

भिवानी। दिव्यांग समाज हरियाणा द्वारा दिव्यांगों के लिए मुफ्त कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन रमेश कुमार लाडवा प्रदेश अध्यक्ष, रोहित अग्रवाल प्रदेश सचिव के सानिध्य में हुआ। दिव्यांगों को मुफ्त कानूनी सलाह के लिए एडवोकेट संजय कुमार अग्रवाल व एडवोकेट सुनील पंवार से शिविर में उपस्थित दिव्यांगजन ने अपनी समस्याओं बारे समाधान जाना। शिविर में 25 दिव्यांग व्यक्तियों को उनकी समस्याओं बारे कानूनं समाधान बताए गए।

प्रधानमंत्री की मन की बात में कार्यक्रम सुना

बवानीखेड़ा। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात अपने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी। प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात कार्यक्रम में देश के विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा में विधायक ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को देखा और चर्चा की। विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में देश के विकास और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण विचार साझा किए गए। इस प्रकार के कार्यक्रम से देश के नागरिकों को प्रधानमंत्री जी के विचारों और योजनाओं के बारे में जानकारी मिलती है और उन्हें देश के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना कार्यक्रम

बहल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 121 वें ऐपिसोड को बहल मंडल के सभी 62 बूथों पर लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना। लोगों ने पीएम मोदी की पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हमले के दोषियों को सजा दिलाने व साजिश करने वालों को कठोर जवाब दिए जाने की बात की प्रशंसा की। लोगों ने कहा कि देश की जनता पीएम मोदी से इस उम्मीद में है वो जनभावना के अनुरूप इस बार दुश्मनों को ऐसा सबक सिखाएंगे कि वो भारत की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखेंगे। रविवार को बहल मंडल के सभी 62 बूथों पर भाजपा के बूथ अध्यक्षों के साथ लोगों ने पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण को देखा।

रिंग में मुक्केबाजों का स्टेमिना जांचा, प्रशिक्षकों ने बेहतरीन प्रदर्शन के दिए गुर मंत्र

डिप्टी डीईओ ने प्रशिक्षण शिविर में व्यवस्थाओं को जांचा, अधिकारी ने वितरित की मुक्केबाजी किट

प्रशिक्षण के चौथे दिन मुक्केबाजों ने प्रशिक्षकों की देखरेख में रिंग में जमकर पसीना बहाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। खाने की जांच करते डिप्टी डीईओ। व चयनित मुक्केबाजों को खेल के सामान की किट वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अंडर-19 आयु वर्ग के लड़के व लड़कियों के लिए 30 से 5 मई तक दिल्ली में आयोजित होने वाली 68वीं राष्ट्रीय स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों के प्रशिक्षण शिविर में मुक्केबाजों का रिंग में स्टेमिना जांचा। निर्धारित समयावधि बॉऊट को तीन की बजाय चार व पांच मिनट तक करवाया गया। ताकि यह पता लग सके कि मुक्केबाज कितने समय तक बिना थके मुक्के बरसा सकता है। इस दौरान मुक्केबाजी के बेहतरीन प्रशिक्षकों ने चयनियत मुक्केबाजों को प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने के गुर मंत्र दिए। लेफ्ट या राईट हैंड से मुक्केबाजी करके ज्यादा अंक बटोरे जा सकते है। 24 अप्रैल से शुरू हुए प्रशिक्षण के चौथे दिन मुक्केबाजों ने प्रशिक्षकों की देखरेख में रिंग में जमकर पसीना बहाया।

इस दौरान उनको डाईट के भी शैडयूल की बारीकि से जानकारी दी गई। अंडर-19 आयु वर्ग के लडक़े व लड़कियों के लिए 30 से 5 मई तक दिल्ली में आयोजित होने वाली 68वीं राष्ट्रीय स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एईओ सत्यवान कोच की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 24 अप्रैल से शुरू किया गया था, जो कि 28 अप्रैल को संपन्न होगा। इसी कड़ी में प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन रविवार को भिवानी के जिला उप शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर ने खिलाड़ियों को खेल किट वितरित की।

इस दौरान कुल 23 खिलाड़ियों को मुक्केबाजी किट वितरित की गई। वही इससे पूर्व डिप्टी डीईओ ने प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों के लिए की गई खाने, रहने व प्रशिक्षण सुविधा का जायजा लिया तथा खिलाड़ियों से बातचीत भी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में 11 लडक़े व 12 लड़कियों सहित कुल 23 खिलाड़ी भाग ले रहे है तथा खेल की बारीकियों को और भी बेहतर ढ़ंग से सीखकर अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रहे है।

28 को होगा प्रशिक्षण शिविर का समापन

पीटीआई विनोद पिंकू ने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन 28 अप्रैल को होगा। उन्होंने बताया कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को खेल की बारीकियां सिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई, ताकि वे हरियाणा प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर से रोशन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर पाए। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए पूनम रोहतक को लड़कियों की कोच तथा चिनू खरक को लडक़ों की टीम का बनाया गया। इसके अलावा राजेश सिवाच को टीम मैनेजर बनाया गया। वही खिलाड़ियों ने भी इस प्रशिक्षण शिविर की सराहना करते हुए कहा कि यहां पर उन्हे तमाम प्रकार की सुविधाएं दी गई। इस अवसर पर प्राईवेट स्कूल वेलफेलयर एसोसिएशन के प्रधान रामअवतार शर्मा, सुभाष बापोड़ा, एईईओ डा. अनिल कुमार, अरविंद कौशिक, जीतपाल शर्मा, उर्मिला डीपीई, मीनू देवी, विनोद बाला, कमलेश कुमारी, देवेंद अग्री, शैलेंद कुमार, प्रीतपाल डीपीई, सरिता डीपीई, ललित चौहान टीआईटी सहित अन्य खेलप्रेमी मौजूद रहे।

मृतक पर्यटकों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में क्रांतिकारी चौक पर आर्यसमाज, आर्यवीर दल व सर्वहित साधना न्यास के सदस्यों ने स्वामी सच्चिदानंद के नेतृत्व में एकत्रित होकर रोष व्यक्त किया।

सर्वप्रथम मृतक पर्यटकों की आत्मा शांति के लिए हवन का आयोजन किया और इसके बाद आतंक के विरुद्ध रोष प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सत्तबीर सलेमपुरिया, विक्रम धनासरी, रविन्द्र दगडौली, मोहनलाल सैन, पूर्ण सेठ समेत कई प्रमुख सामाजिक व्यक्ति उपस्थित रहे। आर्यसमाज, आर्यवीरदल एवं सर्वहित साधना न्यास के सदस्यों ने आतंकवाद के समूल नाश की मांग की। उन्होंने कहा कि आतंकियों को समर्थन देने वाले पाकिस्तान को कड़ा जवाब देना जरूरी है। उन्होंने देश की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता न करने का संकल्प लिया। आर्यवीर दल चरखी दादरी एवं सर्वहित साधना न्यास के सदस्यों ने 28 निर्दोष पर्यटकों की बर्बर हत्या की निंदा करता है। मात्र हिंदू होने के आधार पर आतंकियों द्वारा की गई यह जघन्य हत्या बिल्कुल भी क्षमा करने योग्य नहीं है।

दोषी आतंकवादियों को कड़ी सजा दिलवाएं

■ आतंकवाद के खात्मे, मजबूती, शांति एवं भाईचारा बनाने को जनअभियान जरूरी : ओमप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

जनसंघर्ष समिति ने सर्व कर्मचारी संघ व रिटायर्ड कर्मचारी संघ के साथ मिलकर आंतकवाद खत्म करने, देश की सुरक्षा मजबूत करने एवं आपसी सद्भाव रखने को लेकर चौधरी छोटूराम चौक पर सेमिनार का आयोजन किया। सेमीनार की अध्यक्षता सुरजभान जटासरा व रतन कुमार जिंदल ने की।

सेमीनार में बोलते हुए जनसंघर्ष समिति के संयोजक कामरेड ओमप्रकाश, सचिव सज्जन कुमार सिंगला व ज्ञान विज्ञान समिति के जिला प्रधान मास्टर वजीर सिंह ने कहा कि देश की जनता के साथ हम सभी पहलगाम में आंतकवादियों द्वारा हमारे निर्दोष 28 पर्यटकों की निर्मम हत्या से बहुत दुःखी है, वे शोक संतप्त परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं। उ न्होंने कहा कि वे मार्मिक हादसे को लेकर केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि उन दोषी आतंकवादियों को कड़ी सजा दिलवाए, देश में आपसी भाईचारा एवं शांति कायम किया जाए।

पूर्व पार्षद रेघा राघव ने बैंक कॉलोनी में सुना पीएम मन की बात कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पूर्व पार्षद एवं भाजपा की पूर्व जिला उपाध्यक्ष रेघा राघव ने कह कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम ने भारत का भारत से परिचय करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मन की बात कार्यक्रम का उद्देश्य देश की अहम मुद्दों की तरफ जनता का ध्यान आकर्षित करने के साथ-साथ अच्छे कार्यो की सराहना कर अन्य लोगों को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना है। रेघा राघव रविवार को बैंक कॉलोनी में कार्यकर्ताओं संग प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 121वां संस्करण सुनने के बाद उपस्थित लोगों से बात कर रही थी। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों का आश्वासन दिलाया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले का सरकार करारा जवाब देगी।

पीएम के मन की बात कार्यक्रम सुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को संबोधित करते भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को रविवार को भिवानी में प्रत्येक बूथ पर सुना गया। इसी कड़ी में भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने रविवार को बूथ नंबर-10 पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं संग उत्साहपूर्वक सुना तथा प्रधानमंत्री के विचारों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान कई विषयों पर अपने विचार सांझा किए, जिनमें हाल ही में हुई वैज्ञानिक उपलब्धियां, युवाओं की उपलब्धियां और देशभर में चल रहे स्वच्छता अभियानों पर जोर दिया। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है तथा वे पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाते है कि उनके साथ न्याय जरूर होगा।

हमले के दोषियों व साजिश रचने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

श्रीअग्रवंश परिवार ने किया अमावस्या पर प्रसाद वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

महाराजा अग्रसेन के नर सेवा-नारायण सेवा के दिखाए मार्ग पर चलते हुए श्रीअग्रवंश परिवार द्वारा प्रत्येक माह की अमावस्या पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में रविवार को अमावस्या पर श्रीअग्रवंश परिवार ने रोहतक गेट स्थित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रसाद वितरिण किया। माल्यार्पण के बाद सदस्यों ने पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी तथा इसे देश को बांटने वाली साजिश बताकर सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इस मौके पर श्रीअग्रवंश परिवार के महासचिव मनीष गोयल ने बताया ने कहा कि भारत संत-महापुरूषों की भूमि रही है, जिसने पूरे विश्व को शांति एवं अहिंसा का पाठ पढ़ाया है, लेकिन उसी संतों की भूमि पर मासूम व निहत्थे लोगों का नरसंहार करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

व्यक्ति, परिवार और समाज को खोखला कर देती नशे की लतः मुख्यमंत्री

नशे के खिलाफ जागरूक कर विभिन्न जिलों से होती हुई पांच को भिवानी पहुंचेंगी यात्राः चरणदास

प्रदेश स्तरीय नशामुक्त हरियाणा संकल्प रथयात्रा को मुख्यमंत्री नायब सिंह ने दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

प्रदेश स्तरीय नशामुक्त हरियाणा संकल्प रथयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, साथ में महंत चरणदास महाराज।

नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज पर भी गंभीर असर डालता है। प्रदेश में नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नौ दिवसीय प्रदेशस्तरीय नशा मुक्त हरियाणा संकल्प रथयात्रा का आयोजन किया, जिसे रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिरसा से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर के महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में निकाली जा रही नौ दिवसीय नशामुक्त हरियाणा संकल्प रथयात्रा प्रदेश के विभिन्न जिलों से होती हुई पांच मई को भिवानी पहुंचेंगी। इस यात्रा का उद्देश्य समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त करना एवं जागरूकता फैलाना है।नशामुक्त हरियाणा संकल्प रथयात्रा को रवाना करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा सामाजिक बुराई है, जो व्यक्ति, परिवार और समाज को खोखला कर देती है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक नशे के दुष्प्रभाव से जागरूक हो और स्वस्थ तथा स्वच्छ समाज के निर्माण में सहभागी बने। उन्होंने यात्रा में शामिल सभी लोगों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अभियान गांव-गांव और गली-गली जाकर लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि वे स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाएं और दूसरों को भी प्रेरित करें।

संकल्प के साथ यात्रा ने अपना पहला पड़ाव तय किया, जहां अगले कुछ दिनों तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जनजागरण किया जाएगा। महंत चरणदास ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों और उससे होने वाली सामाजिक व आर्थिक हानियों के प्रति सजग करते हुए नशे की आदतों से दूर रहने और सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त संकल्प यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि नशे के खिलाफ आंदोलन है, जो व्यक्ति से शुरू होकर पूरे समुदाय को नशे के खिलाफ एकजुट करने का काम करेगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर समाजसेवी रमेश सैनी, विजय सिंहमार, डॉ. सुखविंद्र दुहन, डॉ. मुकेश, विक्रम कांगड़ा, मोनिया सैनी, अजय कुमार, विक्की दिनोद, बलवान सैनी, राज शेखावत, महेश सैनी, हरेंद्र, जगदीश सैनी, आशा सैनी, मनोज आदि मौजूद रहे।

जनसभा को संबोधित करते सांसद धर्मबीर के पुत्र मोहित चौधरी। फोटो : हरिभूमि

भाजपा शासनकाल में बिना भेदभाव के हो रहा चहुंमुखी विकासः मोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने रविवार को गांव ढ़ाणा लाडनपुर, ढ़ाणा नरसान धिराना कला/खुर्द, नवा, राजगढ़, ढ़ाणी जंगा, नंदगांव, रूपगढ़, खरकड़ी राजपुरा आदि गांवों का दौरा किया तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के साथ ही उन्हें भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से अवगत करवाया। मोहित ने कहा कि प्रत्येक जन की समस्याओं का प्राथमिकता के तौर पर समाधान करवाना भाजपा सरकार का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि उनके पिता सांसद धर्मबीर सिंह के निर्देशानुसार वे विभिन्न गांवों का दौरा कर रहे है, ताकि आमजन के समक्ष आने वाली प्रत्येक छोटी से छोटी समस्या उन तक पहुंचाई जा सकें।

खबर संक्षेप

श्रीश्याम गुणगान महोत्सव चार मई को

भिवानी। आगामी 4 मई रविवार को चिड़ियाघर रोड स्थित बाल भवन वाटिका में सायं 5:15 बजे प्रभु इच्छा तक 23वां श्रीश्याम गुणगान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यतिथि सहकारिता विरासत एवं पर्यटन व जेलमंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, मुख्य यजमान प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति अनुज गुरेजा होंगे तथा अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी मनोज दीवान करेंगे। महोत्सव में श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरि व महंत चरणदास महाराज का सान्निध्य रहेगा।

सफाई अभियान से दी 28 पर्यटकों को श्रद्धांजलि

भिवानी। जीतू वाला जोहड़ नजदीक श्याम बाग में सुधार समिति द्वारा सभा प्रधान राधा-कृष्ण चावला के नेतृत्व में सफाई एवं पेड़-पौधों के संरक्षण अभियान का 15वां चरण विभिन्न समाजिक संगठनों के सदस्यों के सहयोग से चलाया गया। इसके साथ 22 अप्रैल को जम्मु-कश्मीर के पहलगाव घाटी में आतंकियों द्वारा 28 पर्यटकों को गोली मार कर निर्मम हत्या करने से मृत्यु को प्राप्त हुए दिव्यंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव 30 को

भिवानी। गांव मित्ताथल स्थित भगवान परशुराम धर्मशाला में भगवान परशुराम युवा मण्डल व समत ग्रामीणों के सहयोग से 30 को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर 14वां विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम, हवन-यज्ञ, भंडारा, भजन व रागनी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यतिथि विधायक कपूर वाल्मीकि होंगे।

शिकायत के बाद भी समाधान नहीं: पार्षद

विवेक नगर में सीवर लाइन ब्लॉक गलियों में जमा हुआ गंदा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

शहरी की चम्पापुरी में विवेक नगर के लोग इन दिनों नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं। कालोनी में पिछले दो महीनों से सीवेज लाइन ब्लॉक है। ओवरफ्लो होकर सीवर का गंदा पानी मुख्य गलियों में जमा है। रविवार को कालोनी के लोगों ने जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर रोड जाम की चेतावनी दी है। विवेक नगर निवासी हरिप्रकाश, सुमित सुहाग, अनिल, भतेरी, अंजली व विजय सहित इत्यादि ने बताया कि पिछले दो महीनों से सीवर लाइन ब्लॉक हैं। कालोनी की मुख्य गलियों में भी गंदा पानी जमा

चम्पापुरी के विवेक नगर की गली में जमा सीवर का पानी।

होने से घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 5 साल से सीवरों की सफाई नहीं हुई है। सफाई के नाम पर मात्र खानापूर्ति की गई है। जब सीवर ब्लॉक होते हैं तो कुछ घंटे मोटर चलाकर सड़क के साथ लगते नाले में पानी डालकर पल्ला झाड़ लिया जाता है। स्थाई समाधान के लिए विभाग की तरफ से कोई कदम नहीं उठाया गया।

सीवर ब्लॉक की समस्या लंबे समय से

वार्ड नंबर एक से नप पार्षद जयसिंह लांबा ने बताया कि सीवर ब्लॉक की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। पांच साल से सीवरों की सफाई नहीं होने से ये स्थिति बनी हुई है। जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता को 15 दिन पहले लिखित शिकायत दी गई थी, मगर सफाई नहीं हुई। कोई भी अधिकारी समस्या को गंभीरता से नहीं लेता, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है।

गंदगी से अटे नालों में मच्छर, मक्खी पनप , डेंगू और मलेरिया का अंदेशा

गंदगी से अटे नाले, पानी निकासी का निकला दम, शहरवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नगर परिषद ने शहर में गंदे व बरसाती पानी की निकासी के लिए नाले बनवाए हुए हैं, जो फिलहाल गंदगी से अटे हुए हैं, जिसकारण घरों का गंदा पानी नालों से ओवरफ्लो होकर सड़कों व गलियों में जमा हो रहा है। पानी की सुचारू रूप से निकासी नहीं होने से राहगीर, वाहन चालक व क्षेत्रवासी परेशान हैं। उक्त समस्या के समाधान को लेकर क्षेत्रवासियों ने बार-बार नप प्रशासन को अवगत करवाया हैं, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी हैं। नाले बुरी तरह से गंदगी से अटे हैं, पानी निकासी का दम निकलने से

हालुवास गेट क्षेत्र में गंदगी से अटे नाले।

क्षेत्रवासी परेशान हैं। वहीं नालों में मच्छर-मक्खी पनप रहे, जिससे डेंगू व मलेरिया फैलने का भी अंदेशा बना हैं। उल्लेखनीय हैं कि शहर के गंदे व बरसाती पानी की निकासी के लिए नगर परिषद द्वारा नालों का निर्माण करवाया हुआ हैं, जो फिलहाल गंदगी से अटे पड़े हैं और उनका दम निकला हुआ हैं। नाले गंदगी से इस कदर ठप हैं कि पानी निकासी होना तो दूर सांस लेना तक दूभर हैं। नालों में दो से तीन फीट तक गंदगी व पॉलीथिन जमा हैं, जिससे गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों व गलियों में आ रहा हैं। राहगीरों, वाहन चालकों व क्षेत्रवासियों को मजबूरीवश सड़क व गलियों में जमा गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा हैं। इसके साथ ही नालों में जमा गंदगी में बदबू आती हैं, जिससे राहगीरों व क्षेत्रवासियों को मुहं ढककर रखना पड़ता हैं।

विद्यार्थियों को होती परेशानी

नालों की काफी दिनों से साफ सफाई नहीं हो पाई हैं और न ही मरम्मत हुई है, जिसकी वजह से नालों के ऊपर रखी अधिकतर स्लैब कंडम हो चुकी हैं। वहीं नगर परिषद कर्मचारी नियमित रूप से नालों की सफाई नहीं करते और जब भी करते हैं तो गंदगी नालों के किनारे ही छोड़ देते है, जो धीरे-धीरे वापस नालों में ही गिर जाती हैं। नप कर्मचारियों का इस संबंध में तर्क हैं कि नालों से निकाली गंदगी सूखेगी तभी उठाई जाएगी, जबकि नालों के किनारे डाली गई कीचड़ व गाद की वजह से राहगीरों का निकलना तक मुश्किल हो जाता हैं। बच्चों को गंदे पानी के बीच से ही स्कूल जाना पड़ता हैं।

लव मैरिज और रिलेशनशिप कानून में संशोधन की मांग

अठगामा खाप ने डीजे बजाने और शराब ठेके खोलने पर लगाई पाबंदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

अठगामा खाप घसौला की पंचायत प्रधान रणबीर सिंह की अध्यक्षता में गांव घसौला में हुई। पंचायत में समाजहित में कई निर्णय लिए। पंचायत ने खाप के अंतर्गत आने वाले सभी आठों गांवों में डीजे बजाने पाबन्दी लगी दी। उल्लंघन करने वालों का सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। इसके अलावा सभी आठों गांवों में शराब के ठेके न खोलने का प्रस्ताव भी पंचायतों द्वारा सरकार को भेज दिया गया है तथा इसके उपरांत भी जो व्यक्ति अवैध शराब या नशीला पदार्थ बेचता हुआ मिला तो प्रशासनिक कार्रवाई करवाई जाएगी। इससे संबंधित मांग पत्र उपायुक्त को

भिवानी। पंचायत में विचार रखते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

दिया जाएगा। पंचायत में वक्ताओं ने लव मैरिज व लिव इन रिलेशनशिप को भी गलत बताया और सरकार से कानून में संशोधन की मांग की। उन्होंने कहा कि कोर्ट मैरिज या लव मैरिज में लड़का और लड़की दोनों के माता पिता की सहमति व अन्य कागजात पूरे होने के बाद ही शादी को मान्यता देनी चाहिए। जिससे समाज में अव्यवस्था न फैले और फैलती जा रही कुरीतियों पर रोक लगे। इस मांग से सम्बन्धित ज्ञापन उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को दिया जाएगा। पंचायत ने लोगों ने इस फैसले का समर्थन दिया। पंचायत में प्रधान रणबीर सिंह, धर्मवीर सरपंच प्रतिनिधि, सुबेदार दयानन्द, रणबीर सिंह, शिव कुमार, सुखबीर, सुजीत कुमार, सोमबीर, सचिन, विकास, विनोद, अंकित, राकेश, अरविन्द, विनय, अजय, राजेश, सनिराज, रामसिंह, तेजराम, सुदेश, दयाराम शर्मा, राजबीर सिंह, अजीत सिंह सहित इत्यादि उपस्थित थे।

अफवाहों से बचें, आपसी भाईचारे व सोहार्दपूर्ण माहौल को न बिगड़ने दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद क्षेत्र में किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस थाना परिसर में कस्बे के जागरूक लोगों की मीटिंग आयोजित की गई। पुलिस थाना प्रभारी राधेश्याम ने उपस्थितजनों से अपील की कि वे देश की वर्तमान परिस्थिति में किसी प्रकार की अफवाहों का शिकार बनने से बचें व अपने आपसी भाईचारे व सोहार्दपूर्ण माहौल को न बिगडऩे दें। अगर किसी प्रकार का कोई अवांछित व्यक्ति या गतिविधि नजर आए तो पुलिस को सूचना दें।

रविवार को पुलिस थाना परिसर में आयोजित बैठक में थाना प्रभारी ने कहा कि यह एक सुखद पहलू है कि बहल क्षेत्र के लोग शांतिप्रिय व आपसी भाईचारे में विश्वास रखने वाले लोग है। यहां के लोगों को मेलजोल बहुत अच्छा है व माहौल सोहार्दपूर्ण है। लेकिन, फिर भी देश

बहल। पुलिस थाना परिसर में आयोजित मीटिंग में थाना प्रभारी राधेश्याम व अन्य लोग।

जाम से निजात दिलाने की मांग

मीटिंग में उपस्थित लोगों ने कस्बे के बहल-भिवानी रोड पर मैन बाजार में लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस कार्रवाई की मांग की। इस पर थाना प्रभारी ने कहा कि मैन बाजार में रोड पर किसी वाहन को खड़ा नहीं होने दिया जाएगा। बाजार में लगने वाली रेहड़ियों के लिए पीली पट्टी लगाई जाएगी ताकि वे अपनी हद में रहें। इस अवसर पर मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल सदस्य सुनील शर्मा, सरपंच साधूराम पनिहार, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया, हनुमान शर्मा, संदीप लाखलाण, ईश्वर नंबरदार, सतपाल नंबरदार, संदीप लाखलाण, आजाद सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

की सीमाओं पर जिस तरह से तनावपूर्ण स्थिति है उसे लेकर हमें आपसी भाईचारे में कोई कमी नहीं आने देनी है। हर परिस्थिति में हमें उसी तरह का व्यवहार करना है जैसे अब तक करते आए है। किसी धर्म, मजहब या जाति को लेकर हमें किसी से कोई द्वेष नहीं रखना है।

लोहारू में इस बार दो अलग-अलग दिन मनेगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

पिछले करीब दो दशकों से लोहारू शहर में श्री ब्राह्मण महासभा के बैनर तले प्रति वर्ष वैशाख माह की अक्षय तृतीय को भगवान परशुराम का जन्मोत्सव समारोह मनाया जाता रहा है। लेकिन इस बार श्री ब्राह्मण महासभा के सदस्यों में दो पक्ष होते दिखाई दे रहे हैं तथा दोनों ही पक्षों ने अलग अलग तिथि निर्धारित कर कार्यक्रम की तैयारियों में जुट गए है। श्री ब्राह्मण महासभा द्वारा 29 अप्रैल को स्थानीय परशुराम चौक पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा वहीं दूसरे पक्ष की ओर से 4 मई को स्थानीय ज्ञान कुंज स्कूल में भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। दोनों ही कार्यक्रमों की तैयारियों जोरों पर है। पुरुषोत्तम लाल शर्मा, डॉ सुरेश भारद्वाज, प्रमोद शर्मा और सुशील शर्मा ने बताया कि इस हलका स्तरीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में युवा गायिका रौनी रमन देशभक्ति से ओतप्रोत अपने गीतों प्रस्तुति देंगी। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव को लेकर होने वाले इन दोनों कार्यक्रमों की शहर में काफी चर्चा है।

चार मई को कार्यक्रम

श्री ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष कृष्ण टीकेवाला, राजीव वत्स, जितेंद्र भारद्वाज, प्रहलाद शर्मा, पार्षद अजय शर्मा, महेंद्र शर्मा आदि लोगों का कहना है कि 29 अप्रैल को अक्षय तृतीय के मौके पर स्थानीय परशुराम चौक पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा तथा यज्ञ में आहुति डालकर विश्व मंगल की कामना की जाएगी। श्री ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सभी समाज के लोगों के सहयोग से मनाया जाएगा। वहीं दूसरी ओर शहर के ज्ञान कुंज स्कूल परिसर में भी 4 मई को समस्त ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जिसमें भिवानी महेंद्रगढ़ के सांसद चौ धर्मबीर सिंह और पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा मुख्य अतिथि होंगे।

छात्र जीवन की यादें जीवंत रखते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ें: गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

छात्र पुषांत को मिस्टर फेयरवेल व छात्रा गुंजन को मिस फेयरवेल चुना गया

छात्र जीवन की यादें सदैव जीवंत रहती हैं। छात्र-छात्राओं को एक दूसरे से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढऩा चाहिए।। यह बात वैश्य महाविद्यालय भिवानी के वाणिज्य विभाग के प्रथम वर्ष के विधार्थियों द्वारा सत्र पूरा करने वाले फाइनल वर्ष के विधार्थियों के लिए आयोजित विदाई समारोह का शुभारंभ करते हुए वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने कही।उ न्होंने कहा कि धूप व छाव एक दूसरे के पूरक हैं। उसी प्रकार प्रत्येक विद्यार्थी के आगमन एवं विदाई पर जो अनुभूति होती है वह सदैव याद रखी जाती हैं।

भिवानी। कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को चाहिए कि अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहकर उन्नति के उच्च शिखर तक पहुंचें। आज वैश्य महाविद्यालय भिवानी के वाणिज्य विभाग के प्रथम वर्ष के विधार्थियों द्वारा सत्र पूरा करने वाले फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य संजय गोयल एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ पवन गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करते हुए किया गया।विदाई समारोह में मंच का सफल संचालन छात्रा भूमिका एवं छात्र कुनाल ने संयुक्त रूप से किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।समारोह को सफल बनाने में छात्रा नेहा,तनिषा,शिवानी, भूमिका,छात्र कुनाल,हिमांशु,केशव का विशेष योगदान रहा। कल्पना गुप्ता,अपूर्वा कागजी,श्रेया सोनी, चंचल,वंदना सहित काफी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति

विदाई समारोह में छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ पवन गुप्ता ने छात्र छात्राओं को आपस में मिलजुलकर आगे बढ़ने का संदेश देते हुए सभी के सफल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह में छात्र छात्राओं के बीच विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।कई राउंड के पश्चात छात्र पुषांत को मिस्टर फेयरवेल व छात्रा गुंजन को मिस फेयरवेल चुना गया। समारोह में छात्र तुषार को मिस्टर स्टार व छात्रा कंचन को मिस स्टार, छात्र विशाल को मिस्टर नटखट, व छात्रा खुशी को मिस ब्यूटी चुना गया। साड़ी गेम में छात्र कार्तिक को विजेता घोषित किया गया।

रामसिंह जांगड़ा की धर्मपत्नी रिसालो देवी का निधन

बहल। हरियावास गांव निवासी एवं अखिल भारतीय जांगिड़ महासभा के जिला उपाध्यक्ष रामसिंह जांगड़ा की धर्मपत्नी रिसालो देवी का 25 अप्रैल को निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से जांगिड़ समाज सहित सम्पूर्ण क्षेत्र में शोक की लहर फैल गाई है। रिसालो देवी सरल स्वभाव एवं सेवा भावना के लिए जानी जाती थीं। उनके निधन से समाज ने एक प्रेरणास्त्रोत व्यक्तित्व को खो दिया है। अंतिम संस्कार हरियावास स्थित मोक्षधाम में संपन्न हुआ। शोक संवेदनाए व्यक्त करने के लिए समाज के गणमान्य लोग, रिश्तेदार तथा क्षेत्रवासियों का तांता लगा हुआ है।

ग्राम विकास -शिक्षा समिति प्रेमनगर ने चलाया स्वच्छता अभियान, स्टेडियम में की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए ग्राम विकास एवं शिक्षा समिति प्रेमनगर ने रविवार को गांव के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान में स्वच्छता अभियान के नोडल अधिकारी संदीप रेलवे के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया और स्टेडियम के ट्रैक व पूरे प्रांगण की सफाई की। संदीप रेलवे ने बताया कि उनकी स्वच्छता टीम प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान चलाकर गांव के सभी

भिवानी। गांव प्रेमनगर के स्टेडियम की सफाई करते ग्राम विकास एवं शिक्षा समिति के सदस्य।

सार्वजनिक स्थानों, गांव के मुख्य रास्तों और सरकारी स्कूलों की सफाई में अपना हरसंभव योगदान देगी। समिति गांव में खेल सुविधाओं के विकास और शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। चालू वित्त वर्ष के दौरान गांव के सरपंच राजेश कुमार के अथक प्रयासों और शिक्षा समिति के सहयोग के फलस्वरूप गांव में लड़कों की हॉकी और फुटबाल, लड़कियों की वालीबॉल की नर्सरियों सहित लड़कियों के लिए बास्केटबॉल, बाक्सिंग और एथलेटिक्स के सेंटर चल रहे है। सरपंच राजेश ने कहा कि उनका प्रयास गांव के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने तक जारी रहेगा। इस अवसर पर जसवीर मोनू, संदीप सिंह, नरेश, संदीप मास्टर, जोगेंद्र बूरा, योगेश गोठवाल, बीरसिंह, वेदपाल, शुभ, संदीप, नवीन, सौरभ, गौरव आदि उपस्थित रहे।

82 विद्यालयों के विद्यार्थी लेंगे पराली नहीं जलाने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

पराली से होने वाले प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता लाने के लिए राह ग्रुप के तत्वावधान में जिले विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत जिले की 82 विद्यालयों के विद्यार्थी पराली नहीं जलाने की शपथ लेंगे तथा इस दौरान विद्यालयों में जागरूकता रैली, पेंटिंग प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राह क्लब लोहाय के अध्यक्ष श्याम सुंदर सांगवान ने बताया कि जिले की 82 विद्यालयों के विद्यार्थियों को पराली से होने वाले प्रदूषण के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। ताकि अभिभावकों को भी इससे प्रेरणा मिल सके। उन्होंने बताया कि सोमवार से आरंभ होने वाले पूरे सप्ताह में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों की ओर से जागरूकता रैली व प्रभात रैली निकाली जाएगी। इस दौरान विद्यार्थी चलो-चले हाथ मिलाएं, पराली प्रदूषण को जड़ से मिटाएं स्लोगन गाए जाएंगे। पराली जलाने के कारण पर्यावरण प्रदूषण, बंजर होती उपजाऊ जमीन व दूसरे प्रकार की गंभीर समस्याएं तेजी से बढ़ हैं। राह ग्रुप फाउंडेशन के इस प्रदेश व्यापी जागरूकता अभियान का मकसद छात्रों को पराली के बेहतर विकल्प व प्रबंधन के प्रति जागरूक करना है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कार्यक्रम **कांग्रेस नेताओं ने हवन में आहुति डाल पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को दी श्रद्धांजलि**

आतंकवाद को कुलचने के लिए सख्त कदम उठाए सरकार

- आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलरेंस अपनाते हुए आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें सरकार : गुलिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने रविवार को तेलीवाड़ा में हवन का आयोजन किया तथा भगवान से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने आंतकवाद के खिलाफ रोष व गुस्सा जताते हुए केंद्र सरकार से मांग की कि आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाए, जिसकी उन्होंने

भिवानी। हवन में आहुति डालते कांग्रेसी नेता व अन्य संगठनों के कार्यकर्ता।

कभी कल्पना भी न की हो। इस दौरान सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए कामना की। इस मौके पर जिला संयोजक (शहरी) देवराज महता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने कथन अनुसार आतंकवादियों को कल्पना से आगे बढ़ते हुए सख्त सजा दें, ताकि आतंकवाद के फन को कुचला जा सकें। आतंकवाद का एकमात्र उद्देश्य देश में नफरत, आपसी फूट व विभाजन करना है, लेकिन देशवासी आतंकवादी सोच को समझ चुके है तथा देशविरोधी ताकतों के बहकावे में आकर नफरत नहीं फैलने देंगे। ग्रामीण संयोजक प्रदीप गुलिया ने कहा कि भारतवासी पहले भी ऐसी सोच के जाल में फंसकर विभाजन का दंश झेल चुका है, देश में सभी धर्मो के लोग एकजुट है। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के पुख्ता व कड़े प्रबंध करें तथा आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलरेंस अपनाते हुए आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। डॉ. शिवशंकर भारद्वाज व ओमप्रकाश ने कहा कि आतंकवाद को कुलचने का समय आ गया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संदीप तंवर, ईश्वर शर्मा सहसयोंजक, रिटायर्ड बैंक महाप्रबंधक नरेश तंवर, सुरेन्द्र परमार, अशोक ढोला, पूर्व पार्षद बलवान सिंह, पूर्व पार्षद अशोक जोगी, शिवकुमार चांग, डॉ. फूलसिंह धनाना, रामफल देशवाल, रवि खना, आचार्य गिरीश गोस्वामी, अंजलि गोस्वामी, पुष्पा बत्रा, महेश कालरा, भीम मुंजाल, सुरेश वर्मा, दीपू बवेजा, मुरारीलाल वर्मा, हरीश भूटानी, कमल मास्टर, हरीश ठकुराल, अजय मामूका, राम सरदाना, आदि उपस्थित रहे।